भारत में ऑनलाइन जुआ

प्रिलिम्स के लिये:

भारत में ऑनलाइन जुआ, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019, सार्वजनिक जुआ अधिनियम, 1867, ऑनलाइन गेमिंग

मेन्स के लिये:

भारत में ऑनलाइन जुआ, इसके लाभ और हानि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत सरकार ने राज्यों को **ऑनलाइन सट्टेबाज़ी और जुआ मंचों** को बढ़ावा देने वाले **बाह्य विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई** करने का निर्देश दिया है।

- सरकार ने पहले जून 2022 में मीडिया को एक दिशा-निर्देश जारी किया था, जिसमें उन्हें जनहित में ऐसे **विज्ञापनों को प्रकाशित करने** से परहेज करने का निर्देश दिया गया था।

सरकार का पक्ष:

- सरकार ने पाया है कि कुछ सट्टेबाज़ी और जुआ मंच बाह्य मीडिया जैसे- होर्डिंग्स, पोस्टर, बैनर एवं ऑटो रिक्शा ब्रांडिंग का उपयोग अपनी वेबसाइट्स/एप्स को बढ़ावा देने हेतु कर रहे हैं।
- ऐसे विज्ञापन भ्रामक पाए गए और **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019** के अनुरूप नहीं पाए गए।
- इसके अलावा चूँकि सट्टेबाज़ी और जुआ देश के अधिकांश हिस्सों में अवैध है,**वे उपभोक्ताओं, विशेष रूप से युवाओं एवं बच्चों हेतु वित्तीय तथा सामाजिक आर्थिक जोखिम उत्पन्न** करते हैं।
- सरकार ने **विशिष्ट सट्टेबाज़ी मंच के प्रचार पर आपत्ति** जताई है, जिसने लोगों को कॉपीराइट अधिनियम के प्रथम दृष्टया उल्लंघन में अपनी वेबसाइट पर खेल लीग देखने हेतु प्रोत्साहित किया।

ऑनलाइन जुआ:

- ऑनलाइन **जुए में पैसे या पुरस्कार जीतने के लिये खेल और घटनाओं पर दाँव लगाकर इंटरनेट** के माध्यम से जुआ गतिविधियों में भाग लेना शामिल है। इसे विभिन्न उपकरणों पर चलाया जा सकता है और इसमें नकदी के बजाय वर्चुअल चिप या डिजिटल मुद्राओं का उपयोग शामिल है।
- वर्ष 2022 में वैश्विक ऑनलाइन जुआ **बाज़ार का मूल्य 63.53 बिलियन अमेरिकी डॉलर था और इसके वर्ष 2023 से वर्ष 2030 तक 11.7% की CAGR** से बढ़ने की उम्मीद है, जिसमें एशिया-प्रशांत क्षेत्र सबसे बड़ा बाज़ार है।
- ऑनलाइन जुए के विभिन्न प्रकार हैं, जिसमें स्लॉट, ब्लैकजैक और रूलेट, खेल सट्टेबाज़ी, पोकर एवं लॉटरी जैसे कैसीनो गेम शामिल हैं। ये भारत सहित अधिकांश देशों में प्रतिबंधों तथा कानूनों की अलग-अलग स्तर के साथ विनियमित हैं।

ऑनलाइन गेमिंग और ऑनलाइन जुए में अंतर:

- कानून के तहत **गेमिंग और जुए के बीच का अंतर इसमें शामिल कौशल के तत्त्व पर निर्भर करता है। यदि किसी ऑनलाइन गतिविधि में कौशल की आवश्यकता नहीं है,** तो इसे जुआ खेलने के बजाय जुआ माना जाएगा।
- इसलिये कानून के अनुसार, अनुमत गेमिंग गतिविधियों के लिये कौशल की आवश्यकता होती है, जबकि जुआ गतिविधियाँ अवसर पर निर्भर करती हैं।

ऑनलाइन जुए से संबंधति चताएँ:

- **वत्तिीय और सामाजकि परेशानी:**
    - ऑनलाइन जुआ **अत्यधकि व्यसनी हो सकता है, जसिसे गंभीर वत्तिीय और सामाजकि समस्याएँ** उत्पन्न हो सकती हैं। चूँकि यह आसानी से सुलभ है, खलिाड़ी अपने द्वारा खर्च कयि जा रहे समय और धन की मात्रा को महसूस कयि बनिा गेम खेलने में घंटों बति सकते हैं।
- **अनयिमति:**
    - ऑनलाइन जुआ **सामान्यतः अनयिमति** होता है, जसिसे धोखाधड़ी की गतविधियिों को अंजाम देना सरल हो जाता है। इससे खलिाड़यिों को अपना **पैसा गँवाना पड़ सकता है या उनकी नजिी जानकारी से समझौता** कयिा जा सकता है।
    - जुए को लेकर भारत में जटलि कानून हैं और अधकिांश राज्यों में उपलब्ध नहीं हैं। जुए पर प्रत्येक राज्य का अपना अधकिार क्षेत्र है।
- **मनी लॉन्ड्रगि का साधन:**
    - ऑनलाइन जुए का उपयोग **मनी लॉन्ड्रगि के साधन** के रूप में कयिा जा सकता है, जहाँ खलिाड़ी **बड़ी मात्रा में नकदी ऑनलाइन खातों में जमा कर सकते हैं** और फरि वैध रूप में धन की नकिासी कर सकते हैं।
- **साइबर-हमलों के लयि प्रवण:**
    - ऑनलाइन जुआ साइट्स साइबर हमलों के प्रतसिंवेदनशील हो सकती हैं, जसिसे **खलिाड़यिों की संवेदनशील व्यक्तगित और वत्तिीय जानकारी की चोरी हो सकती है।**
- **सामाजकि अलगाव:**
    - ऑनलाइन जुआ सामाजकि अलगाव का कारण बन सकता है **क्योंकि खलिाड़ी ऑनलाइन गेम खेलने में घंटों बति सकते हैं,** जसिसे परविार और दोस्तों के साथ सामाजकि संपर्क में कमी आती है।

ऑनलाइन जुए के लाभ:

- **सुवधिा:** ऑनलाइन जुआ **अपने घर या कहीं भी इंटरनेट कनेक्शन के साथ** सरलता से एक्सेस कयिा जा सकता है, जो इसे पारंपरकि जुए के तरीकों की तुलना में अधकि सुवधिाजनक बनाता है।
- **अभगिम्यता:** ऑनलाइन जुआ अकसर वकिलांग लोगों या उन लोगों के लयि अधकि सुलभ होता है जनिहें **अपने घरों को छोड़ने में कठनिाई होती है।** ऑनलाइन जुए के कारण उन्हें जुआ गतविधियिों में भाग लेने की इज़ाज़त मलिती है जो अन्यथा उनके लयि मुश्कलि या असंभव है।
- **राजस्व सृजन:** ऑनलाइन जुए में कराधान और वनियिमन के माध्यम से भारत सरकार के लयि **महत्त्वपूर्ण राजस्व उत्पन्न करने की क्षमता** है। इसके अतरिक्ति ऑनलाइन जुआ उद्योग भारतीय उद्यमयिों के लयि नौकरी के अवसर पैदा कर सकता है, जो अपने स्वयं के ऑनलाइन जुआ मंचों को वकिसति और संचालति कर सकते हैं।

ऑनलाइन जुए पर भारतीय कानून:

- **सार्वजनकि जुआ अधनियिम, 1867:**
    - वर्तमान में सार्वजनकि जुआ अधनियिम, 1867 जुआ और इसके सभी रूपों में नयिंत्रति करने के लयि भारत में केवल एक केंद्रीय कानून है। यह एक पुराना कानून है, जो डजिटिल कैसीनो, ऑनलाइन जुआ और गेमगि की चुनौतयिों से नपिटने के लयि अभकिल्पति नहीं है।
- **संवधिान की सातवीं अनुसूची:**
    - भारत में जुआ काफी हद तक राज्य का वषिय है। इसका मतलब यह है क**राज्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने अधकिार क्षेत्र में जुए को वनियिमति करने के लयि अपने स्वयं के कानून बनाएँ।**
- **वभिन्नि राज्यों में कानून:**
    - दल्लिी, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने कुछ संशोधनों के साथ सार्वजनकि जुआ अधनियिम को अपनाया है।
    - गोवा, सक्किमि, दमन, मेघालय और नगालैंड जैसे अन्य क्षेत्रों ने अपने अधकिार क्षेत्र में सार्वजनकि जुए को वनियिमति करने के लयि वशिषि्ट कानूनों का मसौदा तैयार कयिा है।

आगे की राह

- ऑनलाइन जुए के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतयिों को नयिामकों और नीतनिर्िमाताओं द्वारा नष्पिक्ष एवं ज़म्मिेदार जुआ सुनश्चिति करने के लयि इनके नपिटान करने की आवश्यकता है।

- भारत में कानूनी परदिृश्य जटलि है और वभिनि्न राज्यों में भनि्न भी है, इसलयि व्यक्तयिों को अपने राज्य के कानूनों के बारे में पता होना चाहयि और केवल लाइसेंस प्राप्त ऑनलाइन जुआ गतविधियिों में भाग लेना चाहयि।

सरोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/online-gambling-in-india